

आदेश - पत्रक

(देखें अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129)

आदेश पत्रक-ता० से तक

जिला गढ़वा सं० 15 सन् 20 15-16

केस का प्रकार CNT Act की धारा 46 के तहत अज्ञात की भूमि विक्री हेतु परिशिष्ट

आदेश की क्रम सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख सहित
	2	3

20-6-2015

आवेदक विक्रेता कैलाश सिंह पिता स्व० रामजीत सिंह ग्राम-पो० टंडवा धाना रमना जिला-गढ़वा राज्य भारत ने आवेदन पत्र देकर अपनी विभाजित भूमि की विक्री केता प्रभु सिंह पिता सीता रक्वार जाति खरवार ग्राम चुन्दी पो० गम्हरिया धाना रमना जिला गढ़वा राज्य भारत के हाथों विक्री करने हेतु अनुमति की मांग की है।

भूमि का विवरण

ग्राम-धाना नं०	साता	प्लॉट नं०	रकबा	चेन्दी
चुन्दी 188	61	164	0.09 $\frac{5}{6}$ अर	नन्द कुमार साह द०-जगिता सिंह प०-कच्ची रस्ता प०-अखतरा साह
"	"	286	0.10 $\frac{5}{6}$ अर	राजवरण साह द०-कच्ची रस्ता
"	"	290	0.00 $\frac{1}{2}$ अर	शिवकुमार साह प०-उमन साह
"	"	387	0.00 $\frac{3}{6}$ अर	बाछेसर द० कच्ची रस्ता
"	"	1079	0.03 अर	नीज क्षेत्र प०-उमन साह
"	"	300	0.05 $\frac{1}{2}$ अर	गुली साह द०-मोटा आर द०-नागेन्द्र सिंह प०-रजेन्द्र साह
"	"	318	0.05 $\frac{1}{6}$ अर	कच्ची रस्ता द०-सुखी साह प०-कैलाश सिंह प०-रजेन्द्र साह
"	"	867	0.02 $\frac{3}{2}$ अर	रमण साह द०-देवर साह
"	"	915	0.12 $\frac{1}{2}$ अर	प्रभु सिंह प०-कैलाश सिंह

(लगातार)

आदेश की क्रम सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख सहित
1	2	3

ग्राम+खाना	खाना	प्लॉट नं०	रकबा	मौहूदी
पुन्डी 188	61	743	0-01 $\frac{2}{3}$ बी०	उत्तर- रामसैकु सिंह द०- ऊँची रास्ता एवं स्कूल पु०- ऊँची रास्ता प०- जानकी साव
		742	0-00 $\frac{2}{3}$ बी०	उत्तर
		1193	0-36 $\frac{5}{6}$ बी०	उत्तर- नगिना सिंह द०- जगदीश साव
		1191	0-0 $\frac{1}{3}$ बी०	पु०- जगजीवन प्रजापति प०- भगवान साव
		996	0-01 बी०	उत्तर- मोलीचन्द प्रजापति द०- अमर साव पु०- तपेजी प्रजापति प०- पूजन प्रजापति
		993	0-02 $\frac{1}{6}$ बी०	उत्तर- नागेश्वर सिंह द०- मुखल साव पु०- करम सिंह प०- नगी साव
		15	82 $\frac{2}{3}$ बी०	

आम ईशतहार निर्गत करें एवं संबंधित अंचल अधिकारी से जाँच प्रतिवेदन की मांग दिनांक 15-7-15 तक करें।

(Signature)
 ३० सु० उप समाहती
 नगर उंटारी

22-7-15.

अभिलेख उपस्थापित। आवेदक विक्रेता द्वारा आवेदन पत्र देकर अपने वाद में तृप्ति के चलते वाद को समाप्त करने की ~~अनुशंसा~~ अनुशंसा किया है।

अतः आवेदक (विक्रेता) के अनुशंसा पर वाद की कारवाई समाप्त की जाती है।

लेखापिता/संबंधित
(Signature)
 अनुमंडल पदाधिकारी
 नगर उंटारी (गढ़वा)

(Signature)
 अनुमंडल पदाधिकारी
 नगर उंटारी (गढ़वा)